संसाधन संरक्षित कृषि एवं आधुनिक प्रौद्योगिकियां

मुझे अत्यंत गर्व है कि 'प्रगतिशील खेती' जुलाई 2023 अंक 06 की प्रकाशन को मेरे संपादक मंडल के सहयोग, मुख्य संरक्षक और मार्गदर्शक मंडल की सहमति से लाया जा रहा है। इस संकल्प के माध्यम से हम नवीनतम तकनीकों को किसानों, छात्रों, वैज्ञानिकों, कृषि शिक्षा एवं प्रसार अधिकारियों, और कर्मचारियों तक पहुंचाने का संकल्प ले रहे हैं। हमारे पिछले अंकों को मिले समर्थन ने हमें यह साबित किया है कि कृषि समुदाय आवश्यकता महसूस कर रहा है और हम उनकी इस आवश्यकता को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। 'प्रगतिशील खेती पत्रिका' का प्रकाशन, 'प्रगति इंटरनेशनल साइंटिफिक रिसर्च फाउंडेशन मेरठ' के बोर्ड ऑफ ट्रस्टी द्वारा संज्ञान में लाते हुए, एक नई संतति के रूप में किया जा रहा है। भारत जैसे देश में कृषि संरक्षण और आधुनिक प्रौद्योगिकियों का महत्व अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। यहां, अन्नों की मांग बढ़ रही है, और जनसंख्या की वृद्धि के साथ-साथ भूमि संसाधनों की कमी हो रही है। इसलिए, कृषि संरक्षण और आधुनिक प्रौद्योगिकियों का सही उपयोग करना हमारे लिए अत्यंत जरूरी है। भारतीय कृषि व्यवस्था जो बहुत अधिक अनुकूलित और वार्षिक वर्षाओ के प्रभावों का अनुभव करती है, वहां प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ता है। उत्तर भारत में बाढ़, दक्षिण भारत में सूखा, और अन्य प्राकृतिक आपदाओं के लिए कृषि संरक्षण के उपाय होना चाहिए। इससे किसानों की आर्थिक और सामाजिक स्थिति मजबूत होती है और भूमि संसाधनों का सही उपयोग होता है। भारत में कृषि क्षेत्र में नवीनतम तकनीकी उन्नति की आवश्यकता है। वैज्ञानिक और तकनीकी उन्नतियों का उपयोग करके बीमा, सिंचाई प्रणाली, बीज तकनीकी, कृषि मशीनरी आदि में सुधार किया जा सकता है। इससे कृषि उत्पादन में वृद्धि होती है और किसानों को अधिक लाभ मिलता है। इन प्रौद्योगिकियों का प्रयोग करके हम प्रदूषण को कम कर सकते हैं, प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग कम कर सकते हैं और स्थायी खेती के तरीकों को बढ़ावा दे सकते हैं। इस प्रकार, कृषि संरक्षण और आधुनिक प्रौद्योगिकियों का संगम हमारे देश में कृषि के क्षेत्र में एक नई दिशा स्थापित कर सकता है। यह किसानों को अधिक उत्पादक बना सकता है, खाद्य सुरक्षा को बढ़ा सकता है, और भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत बना सकता है। इसलिए, इन दोनों के महत्व को समझकर और उन्हें सही तरीके से लागू करके हम अपने देश की कृषि सेक्टर में एक नया सुधार कर सकते हैं।

इस माध्यम से, हम जल प्रबंधन, उन्नत कृषि मशीनों द्वारा फसलों की सीधी बुआई, प्राकृतिक आधारित समाधानों, फेरोमोन ट्रैप के उपयोग, स्वचालित सिंचाई प्रणालियों, श्रम सहित मानव जोखिम विशेषज्ञता, चारा उत्पादन तकनीकियों, विभिन्न उपयोगों की मानव रहित जमीनी वाहनों की महत्ता, ट्रैक्टर दुर्घटनाओं को समझने और रोकने के विषयों पर विस्तार से जानकारी प्रदान कर रहे हैं। इस प्रगतिशील खेती पत्रिका का प्रकाशन हमारे समुदाय को तकनीकी ज्ञान और नवाचारों से अवगत कराने का एक सार्थक प्रयास है।

"मैं सभी लेखकों का आभारी हूँ जिन्होंने अपना ज्ञान वर्तमान संस्करण में साझा किया, आशा करता हूँ कि सभी पाठकों को यह अंक रुचिकर एवं उपयोगी लगेगा। आने वाले जनवरी 2024 में प्रकाशित होने वाले प्रगतिशील खेती पत्रिका अंक के लिए हम आपके सुझावों का स्वागत करेंगे। आप अपने सुझाव हमें pisrf19@gmail.com पर ईमेल कर सकते हैं। "

सधन्यवाद
वेद प्रकाश चौधरी
प्रधान संपादक